C.B.S.E

कक्षा : 10

विषय : हिंदी 'ब'

निर्धारित समय : 3 घंटे **अधिकतम अंक : 80**

सामान्य निर्देश:

1. इस प्रश्न-पत्र के चार खंड हैं- क, ख, ग, और घ।
2. चारों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
3. यथासंभव प्रत्येक खंड के उत्तर क्रमश: दीजिए।
4. एक अंक के प्रश्नों का उत्तर लगभग 15-20 शब्दों में लिखिए।
5. दो अंकों के प्रश्नों का उत्तर लगभग 30-40 शब्दों में लिखिए।
6. तीन अंकों के प्रश्नों का उत्तर लगभग 60-70 शब्दों में लिखिए।
7. पाँच अंकों के प्रश्नों का उत्तर लगभग 120-150 शब्दों में लिखिए।

खण्ड - क

[अपठित अंश]

प्र.1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए [10]

सूर्य अस्त हो रहा था। पक्षी चहचहाते हुए अपने नीड़ की ओर जा रहे थे। गाँव की कुछ स्त्रियाँ अपने घड़े लेकर कुएँ पर जा पहुँची। पानी भरकर कुछ स्त्रियाँ तो अपने घरों को लौट गई, परंतु चार स्त्रियाँ कुएँ की पक्की जगत पर ही बैठकर आपस में बातचीत करने लगी। तरह-तरह की बातचीत करते-करते बात बेटों पर जा पहुँची। उनमें से एक की उम्र सबसे बड़ी लग रही थी। वह कहने लगी- 'भगवन सबको मेरे जैसा ही बेटा दे। वह लाखों में एक है। उसका कंठ बहुत मधुर है। उसके गीत को सुनकर कोयल और मैना भी चुप हो जाती है। सच में मेरा बेटा तो अनमोल हीरा है।"

उसकी बात सुनकर दूसरी अपने बेटे की प्रशंसा करते हुए बोली- "बहन मैं तो समझती हूँ कि मेरे बेटे की बराबरी कोई नहीं कर सकता। वह बहुत ही शक्तिशाली और बहादुर है। वह बड़े-बड़े पहलवानों को भी पछाड़ देता है। वह आधुनिक युग का भीम है। मैं तो भगवान से कहती हूँ कि वह मेरे जैसा बेटा सबको दे।"

दोनों स्त्रियों की बात सुनकर तीसरी भला क्यों चुप रहती? वह भी अपने को रोक न सकी। वह बोल उठी- "मेरा बेटा साक्षात् बृहस्पति का अवतार है। वह जो कुछ पढ़ता है, एकदम याद कर लेता है। ऐसा लगता है बहन, मानों उसके कंठ में सरस्वती का वास हो।"

तीनों की बात सुनकर चौथी स्त्री चुपचाप बैठी रही। उसका भी एक बेटा था। परंतु उसने अपने बेटे के बारे में कुछ नहीं कहा।

जब पहली स्त्री ने उसे टोकते हुए पूछा की उसके बेटे में क्या गुण है, तब चौथी स्त्री ने सहज भाव से कहा- "मेरा बेटा न गंधर्व-सा गायक है, न भीम-सा बलवान और न ही बृहस्पति।" यह कह कर वह शांत बैठ गई। कुछ देर बाद जब वे घड़े सिर पर रखकर लौटने लगीं, तभी किसी के गीत का मधुर स्वर सुनाई पड़ा, गीत सुनकर सभी स्त्रियाँ ठिठक गई। पहली स्त्री शीघ्र ही बोल उठी- "मेरा हीरा आ रहा है। तुम लोगों ने सुना, उसका कंठ कितना मधुर है।" तीनों स्त्रियाँ बड़े ध्यान से उसे देखने लगी। वह गीत गाता हुआ उसी रास्ते से निकल गया। उसने अपनी माँ की तरफ़ ध्यान नहीं दिया। थोड़ी देर बाद दूसरी का बेटा दिखाई दिया। दूसरी स्त्री ने बड़े गर्व से कहा, "देखो मेरा बलवान बेटा आ रहा है। वह बातें कर ही थी कि उसका बेटा भी उसकी ओर ध्यान दिए बगैर निकल गया।"

तभी तीसरी स्त्री का बेटा उधर से संस्कृत के श्लोकों का पाठ करता हुआ निकला। तीसरी ने बड़े गद्गद् स्वर में कहा "देखो, मेरे बेटे के कंठ में सरस्वती का वास है। वह भी माँ की ओर देखे बिना आगे बढ़ गया।

वह अभी थोड़ी दूर गया होगा की चौथी स्त्री का बेटा भी अचानक उधर से जा निकला। वह देखने में बहुत सीधा-साधा और सरल प्रकृति का लग रहा था। उसे देखकर चौथी स्त्री ने कहा, "बहन, यही मेरा बेटा है।" तभी उसका बेटा पास आ पहुँचा। अपनी माँ को देखकर रुक गया और बोला, "माँ लाओ मैं तुम्हारा घड़ा पहुँचा दूँ। माँ ने मना किया, फिर भी उसने माँ के सिर से पानी का घड़ा उतारकर अपने सिर पर रख लिया और घर की ओर चल पड़ा।
तीनों स्त्रियाँ बड़े ही आश्चर्य से देखती रही। एक वृद्ध महिला बहुत देर से उनकी बातें सुन रही थी। वह उनके पास आकर बोली, "देखती क्या हो? वही सच्चा हीरा है।"

1. पहली तथा दूसरी स्त्री ने अपने-अपने बेटे के विषय में क्या कहा?

   उत्तर : पहली स्त्री ने अपने बेटे के विषय में कहा कि भगवन सबको उसके जैसा ही बेटा दे। वह लाखों में एक है। उसका कंठ बहुत मधुर है। उसके गीत को सुनकर कोयल और मैना भी चुप हो जाती है। उसका बेटा तो अनमोल हीरा है।

   दूसरी स्त्री ने कहा कि उसके बेटे की बराबरी कोई नहीं कर सकता। वह बहुत ही शक्तिशाली और बहादुर है। वह बड़े-बड़े पहलवानों को भी पछाड़ देता है। वह आधुनिक युग का भीम है। वह तो भगवान से कहती है कि वह उसके जैसा बेटा सबको दे।

2. तीसरी स्त्री ने अपने बेटे को 'बृहस्पति का अवतार' क्यों कहा?

   उत्तर : तीसरी स्त्री ने अपने बेटे को 'बृहस्पति का अवतार' कहा क्योंकि वह जो कुछ पढ़ता है, एकदम याद कर लेता है। और ऐसा लगता है मानो उसके कंठ में सरस्वती का वास हो।

3. पहली स्त्री द्वारा पूछे जाने पर चौथी स्त्री ने क्या कहा?

उत्तर : पहली स्त्री द्वारा पूछे जाने पर चौथी स्त्री ने कहा कि उसका बेटा न गंधर्व-सा गायक है, न भीम-सा बलवान और न ही बृहस्पति।

4. चौथी स्त्री के बेटे ने अपनी माँ के साथ कैसा व्यवहार किया, यह देखकर तीनों स्त्रियों को कैसा लगा?

उत्तर : जब चारों स्त्रियाँ घड़े सिर पर रखकर लौटने लगीं तब चौथी स्त्री के बेटे ने माँ के मना करने पर भी उनके सिर से पानी का घड़ा उतारकर अपने सिर पर रख दिया और घर की ओर चल पड़ा। यह देखकर तीनों स्त्रियाँ बड़े ही आश्चर्य से उसे देखती रही। क्योंकि वह अपने बेटे को हीरा मानती थी जो उन्हें अनदेखा कर आगे बढ़ गए।

5. बच्चों को अपने माता-पिता के साथ कैसा व्यवहार करना चाहिए? समझाइए।

उत्तर : बच्चों का यह परम दायित्व बनता है कि वे माता-पिता को पूर्ण सम्मान प्रदान करें और जहाँ तक संभव हो सके खुशियाँ प्रदान करने की चेष्टा करें। माता-पिता का सपना होता है कि पुत्र/पुत्री बड़े होकर उनके नाम को गौरवान्वित करे। अत: बच्चों को कड़ी लगन, मेहनत और परिश्रम के द्‌वारा उनका यह सपना पूर्ण कर माता-पिता का नाम गौरवान्वित करना चाहिए। माता-पिता की सेवा ही सच्ची सेवा है।

6. उपर्युक्त गद्यांश को उचित शीर्षक दें।

उत्तर : उपर्युक्त गद्यांश के लिए उचित शीर्षक 'सच्चा हीरा' है।

खंड - ख

[व्यावहारिक व्याकरण]

प्र. 2. शब्द किसे कहते है? शब्द पद के रूप में कब बदल जाता है? [1]

उत्तर : शब्द वर्णों या अक्षरों के सार्थक समूह को कहते हैं।

उदाहरण के लिए क, म तथा ल के मेल से 'कमल' बनता है जो एक खास के फूल का बोध कराता है। अतः 'कमल' एक शब्द है।

कमल की ही तरह 'लकम' भी इन्हीं तीन अक्षरों का समूह है किंतु यह किसी अर्थ का बोध नहीं कराता है। इसलिए यह शब्द नहीं है। इसका रूप भी बदल जाता है।

जब कोई शब्द वाक्य में प्रयुक्त होता है तो उसे शब्द न कहकर पद कहा जाता है।

प्र. 3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार दीजिए। [3]

(क) जैसे ही सत्यवान पढ़ा-लिखा, वह अधिकारी बन गया। (रचना के आधार पर वाक्य-भेद बताइए)

उत्तर : मिश्र वाक्य

(ख) तुम पढ़कर सो जाना। (संयुक्त वाक्य में बदलिए)

उत्तर : तुम पढ़ना और सो जाना।

(ग) सीमा तथा दीपक खेल-कूद रहे हैं। (मिश्र वाक्य में बदलिए)

उत्तर : जो खेल एवं कूद रहे हैं, वे सीमा तथा दीपक हैं।

प्र. 4. (क) निम्नलिखित समस्त पदों का विग्रह करके समास का नाम लिखिए।[2]

- नरसिंह
- सप्तसिंधू

समस्त पद	विग्रह	समास
नरसिंह	नरों में सिंह के समान	कर्मधारय समास
सप्तसिंधू	सात सिंधूओं का समूह	द्विगु समास

(ख) निम्नलिखित विग्रहों का समस्त पद बनाकर समास का नाम लिखिए। [2]

- पाप और पुण्य
- तीन रंगों वाला अर्थात् भारत का राष्ट्रीय ध्वज

विग्रह	समस्त पद	समास
पाप और पुण्य	पाप-पुण्य	द्वंद्व समास
तीन रंगों वाला अर्थात् भारत का राष्ट्रीय ध्वज	तिरंगा	बहुव्रीहि समास

प्र.5. निम्नलिखित वाक्यों को शुद्ध रूप में लिखिए: [4]

1. मैं दर्शन देने आया था।

   उत्तर : मैं दर्शन करने आया था।

2. वह पढ़ना माँगता है।

   उत्तर : वह पढ़ना चाहता है।

3. उसने अनेकों ग्रंथ लिखे।

   उत्तर : उसने अनेक ग्रंथ लिखे।

4. महाभारत अठारह दिनों तक चलता रहा।

उत्तर : महाभारत अठारह दिन तक चलता रहा।

प्र. 6. उचित मुहावरों द्वारा रिक्त स्थानों की पूर्ति करें। [4]

1. चाची जी को <u>हमेशा खिल-खिलाकर</u> हँसने की आदत है।
2. कुछ लोग बड़ी आसानी से अपना दु:ख <u>निगल जाते</u> हैं।
3. देखते ही देखते उस शरारती लड़के ने नए खिलौने का <u>काम तमाम कर</u> दिया।
4. हम भारतीय इतने दरियादिल हैं कि अपने दुश्मनों की भी <u>जान बख्श देते</u> हैं।

खण्ड - ग

[पाठ्य पुस्तक एवं पूरक पाठ्य पुस्तक]

प्र. 7. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए: 2+2+2=[6]

1. अरब में लशकर को नूह के नाम से क्यों याद करते हैं?

   उत्तर : अरब में लशकर को नूह नाम से याद करने का कारण यह है कि एक बार उन्होंने एक जख्मी कुत्ते को दुत्कार दिया था और इसी कारण वे उम्र-भर रोते रहे थे।

2. कलकत्ता वासियों के लिए 26 जनवरी 1931 का दिन क्यों महत्वपूर्ण था?

   उत्तर : कलकत्ता वासियों के किए 26 जनवरी 1931 का दिन इसलिए महत्त्वपूर्ण था क्योंकि पिछले वर्ष गुलाम भारत ने पहली बार इसी दिन स्वतंत्रता दिवस मनाया था और इस वर्ष कलकत्तावासी इस दिन की वर्षगाँठ मनानेवाले थे।

3. वामीरो अपना गाना क्यों भूल गई?

उत्तर : वामीरो सागर के किनारे गा रही थी। अचानक समुद्र की ऊँची लहर ने उसे भिगो दिया, इसी हड़बडाहट में वह गाना भूल गई।

4. सआदत अली को अवध के तख़्त पर बिठाने के पीछे कर्नल का क्या उद्देश्य था?

उत्तर : सआदत अली और कर्नल दोस्त थे। सआदत अली को कर्नल पर विश्वास भी था। सआदत अली को ऐशों आराम की जिंदगी बिताना पसंद था इसलिए वह खुद तो ऐशो आराम की जिंदगी बिताएगा साथ ही दोस्त और विश्वासपात्र होने के कारण कर्नल की जिंदगी भी बड़े आराम से गुजरेगी। इस तरह सआदत अली को अवध के तख़्त पर बिठाने के पीछे कर्नल का मकसद अवध की धन-दौलत पर कब्ज़ा करना था।

प्र. 8. निम्नलिखित प्रश्नों में से किसी एक प्रश्न का उत्तर दीजिए। [5]

1. आपके विचार से कौन-से ऐसे मूल्य हैं जो शाश्वत हैं? वर्तमान समय में इन मूल्यों की प्रासंगिकता स्पष्ट कीजिए।

उत्तर : सत्य, अहिंसा, परोपकार, ईमानदारी सहिष्णुता आदि मूल्य शाश्वत मूल्य हैं। वर्तमान समय में भी इनकी प्रासंगिकता बनी हुई है क्योंकि आज भी सत्य, और अहिंसा के बिना राष्ट्र का कल्याण और उन्नति नहीं हो सकती है। शांतिपूर्ण जीवन बिताने के लिए परोपकार, त्याग, एकता, भाईचारा तथा देश-प्रेम की भावना का होना अत्यंत आवश्यक है। यदि हम आज भी परोपकार और ईमानदारी के मार्ग पर चले तो समाज को अलगाव से बचाया जा सकता है।

2. ‘समझ किताबें पढ़ने से नहीं, दुनिया देखने से आती है’- पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए।

उत्तर : ‘समझ किताबें पढ़ने से नहीं, दुनिया देखने से आती है’ का आशय बड़े भाई साहब के अनुभव से है। बड़े भाई साहब अपने छोटे भाई को समझाते हैं कि बड़े होने के कारण उनमें दुनिया की समझ और अनुभव अधिक है। छोटा भाई कितना भी अधिक क्यों न पढ़ लें परंतु वह उनके तजुर्बे की बराबरी कभी नहीं कर पाएगा।

प्र. 9. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन के उत्तर दीजिए। 2+2+2=[6]

1. बिहारी की नायिका यह क्यों कहती है-कहि है सबु तेरौ हियौ, मेरे हिय की बात-स्पष्ट कीजिए।

उत्तर : बिहारी की नायिका अपने प्रिय को पत्र द्वारा संदेश देना चाहती है पर कागज पर लिखते समय कँपकँपी और आँसू आ जाते हैं। नायिका विरह की अग्नि में जल रही है। लिखते समय वह अपने मन की बात बताने में खुद को असमर्थ पाती है। किसी के साथ संदेश भेजेगी तो कहते लज्जा आएगी। इसलिए वह सोचती है कि जो विरह अवस्था उसकी है, वही उसके प्रिय की भी होगी। अतः वह कहती है कि अपने हृदय की वेदना से मेरी वेदना को समझ जाएँगे। कुछ कहने सुनने की जरूरत नहीं रह जाती।

2. उदार व्यक्ति की पहचान कैसे हो सकती है?

उत्तर : उदार व्यक्ति परोपकारी होता है। अपना पूरा जीवन पुण्य व लोकहित कार्यो में बिता देता है। किसी से भेदभाव नहीं रखता, आत्मीय भाव रखता है। कवि और लेखक भी उसके गुणों की चर्चा अपने लेखों में करते हैं। वह निज स्वार्थों का त्याग कर जीवन का

मोह भी नहीं रखता। अर्थात् उदार व्यक्ति के मन, वचन, कर्म से संबंधित कार्य मानव मात्र की भलाई के लिए ही होते हैं।

3. 'सर हिमालय का हमने न झुकने दिया', इस पंक्ति में 'हिमालय' किस बात का प्रतीक है?

उत्तर : सर हिमालय का हमने न झुकने दिया इस पंक्ति में हिमालय भारत के मान सम्मान का प्रतीक है। भारत-चीन युद्ध हिमालय की बर्फ से ढकी चोटियों पर ही लड़ा गया था। भारतीय सैनिकों ने अपने प्राण गवाँकर देश के मान-सम्मान को सुरक्षित रखा। भारत के सैनिक हर पल देश की रक्षा हेतु बलिदान देने के लिए तत्पर रहते हैं। उनके साहस की अमर गाथा से हिमालय की पहाड़ियाँ आज भी गुंजायमान हैं।

4. अंत में कवि क्या अनुनय करता है?

उत्तर : इस पूरी कविता में कवि ने ईश्वर से साहस और आत्मबल माँगा है। अंत में कवि अनुनय करता है कि चाहे सब लोग उसे धोखा दे, सब दुख उसे घेर ले पर ईश्वर के प्रति उसकी आस्था कम न हो, उसका विश्वास बना रहे। उसका ईश्वर के प्रति विश्वास कभी न डगमगाए। सुखों के आने पर भी ईश्वर को हर क्षण याद करता रहें।

प्र. 10. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं एक प्रश्न का उत्तर दीजिए। [5]

1. पावस ऋतु में प्रकृति में कौन-कौन से परिवर्तन आते हैं? कविता के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

उत्तर : वर्षा ऋतु में पर्वतीय प्रदेश में प्रकृति प्रतिपल नया वेश ग्रहण करती दिखाई देती है। इस ऋतु में प्रकृति में निम्नलिखित परिवर्तन आते हैं-

1. बादलों की ओट में छिपे पर्वत मानों पंख लगाकर कहीं उड़ गए हों तथा तालाबों में से उठता हुआ कोहरा धुएँ की भाँति प्रतीत होता है।
2. पर्वतों से बहते हुए झरने मोतियों की लड़ियों से प्रतीत होते है।
3. पर्वत पर असंख्य फूल खिल जाते हैं।
4. ऊँचे वृक्ष आकाश की ओर एकटक देखते हैं।
5. बादलों के छा जाने से पर्वत अदृश्य हो जाता है।
6. ताल से उठते हुए धुएँ को देखकर लगता है, मानो आग लग गई हो।
7. आकाश में तेजी से इधर-उधर घूमते हुए बादल, अत्यंत आकर्षक लगते हैं।

2. ईश्वर कण-कण में व्याप्त है, पर हम उसे क्यों नहीं देख पाते?

उत्तर : हमारा मन अज्ञानता, अहंकार, विलासिताओं में डूबा है। ईश्वर सब ओर व्याप्त है। वह निराकार है। हम मन के अज्ञान के कारण ईश्वर को पहचान नहीं पाते। कबीर के मतानुसार कण-कण में छिपे परमात्मा को पाने के लिए ज्ञान का होना अत्यंत आवश्यक है। अज्ञानता के कारण जिस प्रकार मृग अपने नाभि में स्थित कस्तूरी पूरे जंगल में ढूँढता हैं, उसी प्रकार हम अपने मन में छिपे ईश्वर को मंदिर, मस्जिद, गुरुद्वारा सब जगह ढूँढने की कोशिश करते हैं।

प्र. 11. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए। [6]

1. अनपढ़ होते हुए भी हरिहर काका दुनिया की बेहतर समझ रखते हैं। कहानी के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

   उत्तर : हरिहर काका अनपढ़ थे फिर भी उन्हें दुनियादारी की बेहद समझ थी। वे यह जानते थे कि जब तक जमीन उनके पास है तब तक सभी उनका आदर करेंगें। उनके भाई लोग उनसे ज़बरदस्ती ज़मीन अपने नाम कराने के लिए डराते थे तो उन्हें गाँव में दिखावा करके ज़मीन हथियाने वालों की याद आती थी। काका ने उन्हें नारकीय जीवन जीते देखा था इसलिए उन्होंने ठान लिया था चाहे मंहत उकसाए चाहे भाई दिखावा करे वह ज़मीन किसी को भी नहीं देंगे। इन बातों से स्पष्ट होता है कि काका अनपढ़ होते हुए भी दुनियादारी की बेहतर समझ रखते थे।

2. नए कलेक्टर साहब के बच्चे टोपी के दोस्त क्यों नहीं बन सके?

   उत्तर : नए कलेक्टर के तीनों बच्चों को अपने पिता के पद का बड़ा घमंड था। वे इस कारण अपने आप-को बड़ा और दूसरों को तुच्छ समझते थे। टोपी द्वारा दोस्ती का हाथ बढ़ाने पर उन्होंने उसके छोटे घर का समझकर ठुकरा दिया। इसलिए अभिमानी होने के कारण नए कलेक्टर साहब के बच्चे टोपी के दोस्त नहीं बन पाए।

खण्ड - घ

[लेखन]

प्र. 12. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग 80 से 100 शब्दों में अनुच्छेद लिखिए। [6]

समाचार-पत्र

सुबह होते ही लोगों को समाचार पत्र की सुध हो जाती है। समाचार-पत्र का हमारे दैनिक जीवन में अत्यंत महत्त्व है। इनमें देश-विदेश की घटनाओं, रोजगार, प्रचार, मनोरंजन, उद्घोषणाओं आदि की लिखित जानकारियाँ होती हैं। कुछ ही पलों में हम इनके अध्ययन से अपने आस-पास की खबरों के साथ-साथ, देश-विदेश के अनेक प्रांतों में क्या हो रहा है घर बैठे जान जाते हैं। हम इसके माध्यम से अपने संदेश, उद्घोषणाएँ, शिकायत आदि प्रचारित कर सरकार सहित आम जनता को सूचित कर सकते हैं। इसके माध्यम से समाज में होने वाले आपराधिक कृत्यों, अपराधों आदि को रोकने में तथा जन-जागरण में मदद मिलती है।

समय का सदुपयोग

बीता समय कभी लौट कर नहीं आता। संसार में सभी चीज़ों को घटाया-बढ़ाया जा सकता है, पर समय को नहीं। समय किसी की प्रतीक्षा नहीं करता। अतः मनुष्य को चाहिए कि जो समय उसे मिलता है उसका सदुपयोग करे। कबीर दास जी ने कहा है कि,

काल करै सो आज कर, आज करै सो अब।
पल में परलै होयेगी, बहुरी करेगा कब।।

किसी भी काम को कल पर नहीं टालना चाहिए क्योंकि आज का कल पर और कल का काम परसों पर टालने से काम अधिक हो जायेगा। मनुष्य कितना ही परिश्रमी क्यों न हो परन्तु समय पर कार्य न करने से उसका श्रम व्यर्थ चला जाता है। वक्त पर न काटी गई फसल नष्ट हो जाती है।

असमय बोया बीज बेकार चला जाता है। मनुष्य को चाहिए कि वह अपने समय का सदुपयोग करके जीवन को मार्ग पर ले चले। समय का सदुपयोग भाग्यनिर्माण की आधार-शिला है।

प्रदूषण की समस्या

आज के विज्ञान-युग में प्रदूषण की समस्या एक बड़ी चुनौती है। प्रदूषण का अर्थ है- वायुमंडल या वातावरण का दूषित होना। प्रदूषण कई तरह का होता है, जल प्रदूषण, वायु प्रदूषण और ध्वनि प्रदूषण। उद्योगों के विस्तार के कारण प्रदूषण और भी अधिक बढ़ा है। जहरीले पदार्थ झीलों, झरनों, नदियों, सागरों तथा अन्य जलाशयों में जाते हैं तो इससे पानी प्रदूषित हो जाता है, उसकी गुणवत्ता घट जाती है। इसके अलावा नदी-तालाबों में लोगों का नहाना, कपड़े धोना, जानवरों की गंदगी डालने के कारण जल प्रदूषित होता है जिससे तरह-तरह के रोग फैलते हैं। वायु में हानिकारक पदार्थों को छोड़ने से वायु प्रदूषित हो जाती है। यह स्वास्थ्य समस्या पैदा करती है तथा पर्यावरण एवं संपत्ति को नुकसान पहुँचाती है। प्रदूषण से ओजोन पर्त में बदलाव आया है जिससे मौसम में परिवर्तन हो गया है। मशीन, रेलगाडियाँ, पटाखे, रेडियो व लाउड-स्पीकर तेज़ी से बजाना आदि से ध्वनि प्रदूषण फैलता हैं। ध्वनि प्रदूषण मनुष्य की नींद, सुनना, संवाद यहाँ तक शारीरिक तथा मानसिक स्वास्थ्य को भी प्रभावित करते हैं। हम सबको मिलकर प्रदूषण को बढ़ने से रोकना होगा अन्यथा आनेवाले वर्षो में हमारा जीवन दूभर हो जाएगा।

प्र.13. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर 80-100 शब्दों में पत्र लेखन कीजिए। [5]

1. आप अपने विद्यालय के 'सफाई अभियान दल' के नेता है। एक योजना के अन्तर्गत आप छात्रों के एक दल को किसी इलाके में सफाई के प्रति

जागरूक करने हेतु ले जाना चाहते हैं। अपने विद्यालय के प्रधानाचार्य/प्रधानाचार्या जी को इसके लिए स्वीकृति हेतु पत्र लिखिए।

सेवा में,

प्रधानाचार्य

आदर्श शिशु विहार

जयपुर

दिनाँक: 14 मार्च 20xx

विषय : दसवीं के बच्चों को सफ़ाई अभियान के अंतर्गत 'पवन विहार' ले जाने की अनुमति प्राप्त करने हेतु।

महोदय

मैं विद्यालय का सफाई अभियान दल का नेता हूँ। हमारे विद्यालय के पासवाला इलाका 'पवन विहार' बहुत ही गंदा होता है। जहाँ से हमारे स्कूल के विद्यार्थी आते-जाती है, मैं विद्यालय के दसवीं कक्षा के छात्रों को 17 मार्च शनिवार के दिन वहाँ सफ़ाई के प्रति जागरूकता लाने ले जाना चाहता हूँ। हम सफ़ाई अभियान का महत्त्व बताते हुई लोगों को समझाएँगे कि सफाई सामाजिक दायित्व है।

अतः आपसे निवेदन है कि आप हमें इसकी अनुमति प्रदान करें।

आपका आज्ञाकारी छात्र

सौरभ गुप्ता

नेता - सफाई अभियान दल

कक्षा – दसवीं 'अ'

2. रुपये मँगवाने के लिए पिताजी को पत्र लिखिए।

कमरा नं 221

छात्रावास

दिल्ली पब्लिक स्कूल

नई दिल्ली- 110022

दिनाँक: 3-05-20xx

पूज्य पिता जी,

सादर प्रणाम।

आपका पत्र प्राप्त हुआ। सभी की कुशलता जानकर प्रसन्नता हुई। मैं मन लगाकर पढ़ाई कर रहा हूँ। अर्धवार्षिक परीक्षा में मुझे 90 प्रतिशत अंकों के साथ कक्षा में द्वितीय स्थान प्राप्त हुआ है। मैं वार्षिक परीक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त करना चाहता हूँ। मुझे कुछ सहायक पुस्तकों की आवश्यकता है तथा अगले महीने शुल्क भी जमा करना है। इस सबके लिए मुझे 3000 रुपये की आवश्यकता है। आप कृपया उक्त राशि भिजवा दें। मैं पढ़ाई के साथ-साथ अपने स्वास्थ्य का भी पूरा ध्यान रखता हूँ। दीदी व माताजी को प्रणाम। शेष कुशल।

आपका पुत्र,

अभिषेक

प्र. 14. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर 40 से 50 शब्दों में सूचना तैयार कीजिए। [5]

1. आपके विद्यालय द्वारा आयोजित प्रौढ़ शिक्षा कार्यक्रम के लिए सूचना तैयार करें।

सूचना

प्रौढ़ शिक्षा कार्यक्रम

दिनाँक: 2 सितंबर 20xx

विद्यालय की समाज परिषद दवारा सितंबर महीने के प्रत्येक रविवार को प्रौढ़ शिक्षा कार्यक्रम विद्यालय के पास वाले लमही गाँव में आयोजित किया जा रहा है।

इच्छुक विद्यार्थी विद्यालय की समाज परिषद में अपना नाम सप्ताह के भीतर पंजीकृत करवा लें।

सचिव

आशीष सिंहल

समाज परिषद

2. सोसायटी के चेयरमैन होने के नाते सोसायटी के सदस्यों को पानी आने के समय परिवर्तन हेतु सूचना तैयार करें।

सूचना

साईं सिद्धि

समता नगर

समय परिवर्तन (पानी)

दिनाँक: 4 अप्रैल 20xx

सोसायटी के सभी रहिवासियों को सूचित किया जाता है कि गर्मियाँ बढ़ने के कारण नगर पालिका ने पानी की कटौती का ऐलान किया है। जिसके कारण सोसायटी ने भी पानी के नियमित समय में से आधा घंटा

कम कर दिया है। अब पानी नए समायनुसार शाम 7 बजे से 8 बजे तक ही आएगा। अत: सभी से निवेदन है कि वे पानी का उचित इस्तेमाल करें। व्यर्थ में पानी को न बहाएँ। और नए समय का का पालन करने में अपना सहयोग दें।

चेयरमैन

वेणुगोपाल माधव

प्र. 15. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर 50-60 शब्दों में संवाद लिखें। [5]

1. विद्यार्थी और बस कंडक्टर के बीच हो रहे संवाद लिखिए।

कंडक्टर : टिकिट टिकिट..

विद्यार्थी : 1 अभिनव कॉलेज स्टॉप

कंडक्टर : 10रु.

विद्यार्थी : मैं तो रोज 8रु. में जाता हूँ।

कंडक्टर : हाँ! जाते होगे परंतु आज से भाव बढ़ गया।

विद्यार्थी : क्या बात कर रहे हैं? तीन महीने पहले ही तो 6रु. से बढ़कर 8रु. हुआ था।

कंडक्टर : अब हम क्या करें? महंगाई बढ़ती है और सरकार दाम बढ़ाती है।

विद्यार्थी : हाँ महंगाई बढ़ती है इसका भुगतान जनता को ही करना पड़ता है।

कंडक्टर : क्या करें?

विद्यार्थी : हमें सरकार से बार-बार टिकट के दाम बढ़ाने को लेकर शिकायत करनी चाहिए।

कंडक्टर : हमारा तो काम है यह, आप बाबू लोग देखों।

विद्यार्थी : ठीक है, हम ही कुछ करेंगे।

2. दुकानदार और ग्राहक के मध्य संवाद लिखें।

दुकानदार : नमस्ते, साहब। क्या दिखाऊँ?

ग्राहक : मुझे बारिश के मौसम में पहनने के लिए सैंडल चाहिए।

दुकानदार : साइज़?

ग्राहक : 8 नंबर

दुकानदार : जी, अभी लाया।

ग्राहक : वह काला वाला दिखाओ।

दुकानदार : ये देखिए साहब।

ग्राहक : यह कितना टिकेंगा?

दुकानदार : इसकी क्वालिटी अच्छी है और बड़े पैर वालों के लिए बढ़िया है। साल-दो साल तो आराम से निकल जाएगा।

ग्राहक : कुछ गेरेंटी है?

दुकानदार : 3 महीने की वारंटी है।

ग्राहक : क्या दाम है?

दुकानदार : 800रु.

ग्राहक : बहुत ज्यादा है

दुकानदार : नहीं साहब, चीज अच्छी है उसी हिसाब से दाम है।

ग्राहक : 700रु.

दुकानदार : 750रु. दे दीजिए बस।

प्र. 16. निम्नलिखित विज्ञापनों में से किसी एक विज्ञापन का आलेख 50 शब्दों में तैयार कीजिए। [5]

1. सफ़ेद कपड़ो की धुलाई के किए प्रयोग किए जानेवाले साबुन का विज्ञापन का प्रारुप (नमूना) तैयार कीजिए।

असली सफ़ाई-बार से कपड़ों की करलो सफाई,
किफायती दाम में चमकती सफ़ेदी का दावा।
असली बार

2. चायपत्ती के लिए विज्ञापन बनाइए।

अग्नि चाय

कड़क चाय का प्याला

आपको बनादे मतवाला

यह है , अग्नि चाय का वादा